ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके, राँची

AMFU, Ranchi
Ref.: 2/1 (10) AAS/Ranchi
Mob.: 9340446914

IMD, New Delhi
Date: 03.02.2026
Email: amfuranchi@gmail.com

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन **बोकारो** जिले के लिए

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त अगले पाँच दिनों (03 फरवरी से 07 फरवरी) का मौसम पूर्वानुमान

	03 फरवरी	04 फरवरी	05 फरवरी	06 फरवरी	07 फरवरी
वर्षा (मिलीमीटर)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	28	28	27	26	26
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.)	12	12	11	10	10
आकाश में बादल की स्थिति	आसमान खुले रहेंगे	आसमान खुले रहेंगे	आसमान खुले रहेंगे	आसमान खुले रहेंगे	आसमान खुले रहेंगे
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	29-55	31-62	31-62	25-65	25-66
हवा की गति (कि. मी. प्रति घंटा)	4	6	6	6	4
हवा की दिशा	उत्तर-पूर्व की ओर से	उत्तर-पूर्व की ओर से	उत्तर-पूर्व की ओर से	उत्तर की ओर से	उत्तर की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

आने वाले दिनों में आसमान खुले रहेंगे और बारिश की कोई संभावना नहीं है। तापमान में हल्की कमी देखी जा सकती है। हालांकि, हवा की गति सामान्य रहने की संभावना है।	
चूंकि शुष्क मौसम का पूर्वानुमान है, इसलिए किसानों को बोई गई रबी फसलों और नई पौध को नमी के तनाव से बचाने के लिए पर्याप्त पानी से सिंचाई करनी चाहिए। नमी की कमी वाले क्षेत्र में किसानों को सब्जियों में फूल आने के दौरान 2% डीएपी+1% एमओपी का पत्तियों पर छिड़काव करना चाहिए। रात के समय पशुशाला को बंद रखें तथा खिड़कियों को बोरो से ढक दें।	
गेहु	मौसम को ध्यान में रखते हुए गेहूँ की फसल में रोगों, विशेषकर रतुआ की निगरानी करते रहें। काला, भूरा अथवा पीला रतुआ आने पर फसल में डाइथेन एम-45 (2.5 ग्राम/लीटर पानी) का छिड़काव करें।
सब्जी	मटर की फसल में फलों की संख्या बढ़ाने के लिए 20 ग्राम यूरिया प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर डंठलों पर छिड़काव करें, यह पाले से भी फसलों को बचाने मे सक्षम है। कद्दूवर्गीय फसल में लाल कद्दू गुबरैला कीट के प्रकोप की संभावना है। अगर इनके प्रकोप दिखाई दे तो मिथाइल डेमेटोन 25 ई.सी. का छिड़काव 500 मिलीलीटर प्रति लीटर हैक्टर के दर से करें। फूलगोभी का पतंगा कीट तथा बैंगन में तना या फल छेदक कीट से बचाव के लिए जैविककीटनाशी दवा हाल्ट या डेल्फिन का छिड़काव (1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) करें।
फल	केले और पपीते के पौधों को हफ्ते में एक बार पानी दें, और जब केले के पौधों में फूल आने लगें तो उन्हें सहारा दें। आम के पेड़ों में फूल आने लगे हैं; जब 50 प्रतिशत फूल आ जाएं, तो पेड़ों की सिंचाई 15 दिन के अंतराल पर करनी चाहिए।
दल्हनि फसल	मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानो को सलाह है कि सरसों की फसल में चेंपा कीट की निरंतर निगरानी करते रहें। प्रारम्भिक अवस्था में प्रभावित भाग को काट कर नष्ट कर दे। अगर प्रकोप अत्यधिक दिखाई दे तो इमिडाक्लोपरीड का छिड़काव 3 मिलिलीटर प्रति लिटर पनि के दर से करें। चने की फसल में फली छेदक कीट की निगरानी के लिए यदि फूल 10-15% तक पहुंच गया हो तो प्रति एकड़ 3-4 ट्रैप की दर से फेरोमोन ट्रैप लगाने की सलाह दी जाती है। कीटों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए फसल के खेत और उसके आसपास "टी" आकार के पक्षियों के बैठने की व्यवस्था करें।
पशुपालन	पशुओं की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए सर्दियों के मौसम में पशुओं को नियमित रूपसे नमक के साथ खनिज मिश्रण और दैनिक राशन में 10% -20% की दर से गेहूं के दाने, गुड़आदि भी दें।

अनुराग सनाडया
रिसर्च एसोसिएट

डॉ. रमेश कुमार
नोडल आफिसर